प्रवृत्ति समूह (द) :

1. मोम प्लास्टर ऑफ पेरिस, मिटट्री–कुटट्री से उपयोगी वस्तुएँ बनाना, जिल्दसाजी करना।
2. अनुपयोगी सामग्री से सजावट की वस्तुएँ बनाना, रंगोली बनाना।

मोम से उपयोगी वस्तुएँ बनाना

बाजार में उपलब्ध मोम को पिघलाकर एवं रंग मिलाकर आकर्षक मोमबत्तियाँ, दीपक एवं विभिन्न प्रकार के खिलोने बनाए जा सकते है। पिघले हुए गर्म मोम को आवश्यकता अनुसार धातु के सांचों में डालकर ठण्डा होने दें। दीपक एवं मोमबत्ती के बीच में मोटा धागा पिरो दें। फिर हाथ से थपथपाकर सांचे से बाहर निकाल लें।

मिट्टी कुट्टी के खिलौने बनाना

सबसे पहले काली मिट्टी भिगोई जाती है। दो दिन भीग जाने के बाद काम में ली जाती है। एक सेव, केला या कोई भी खिलौना लेकर प्लास्टर ऑफ पेरिस से उसको खिलौने का साँचा बनाया जाता है। साँचा बनाने के लिये प्लास्टर ऑफ पेरिस को पानी की सहायता से गीला किया जाता है। उसमें सेव के उपर प्लास्टर ऑफ पेरिस को लपेटा जाता है। सूखने के बाद सेव को बाहर निकाल लिया जाता है इस तरह से साँचा तैयार हो जाता है। सांचें में मिट्टी को रखकर खिलौना बनाया जाता है। लाख के पानी से रंग कर उसे सेव या खिलौने आकार दिया जाता है। इस तरह में खिलौना या अन्य चीज तैयार भी की जाती है। आकर्षक रंगों से ब्रश की सहायता से सजा सकते हैं।

जिल्दसाजी करना :– पुस्तकों का उपयोग करते–करते कुछ ही समय में उपरी पृष्ठ फट कर अलग हो जाते है। धीरे–धीरे एक पृष्ठ निकलने लगते हैं और पुस्तक उपयोगी नहीं रहती है। पुस्तकों को लम्बे समय तक सहेज कर रखने एवं संग्रहणीय बनाये रखने के लिये जिल्दसाजी आवश्यक है। जिल्दसाजी चढ़ाने की विधि निम्न प्रकार है–

1. पुस्तक के सभी पृष्ठ एकसार कर लें। यदि किनारे मुड़कर अस्त व्यस्त हो गये हों तो थोड़ा सा काट कर एक समान कर लें। ध्यान रहे लिखा हुआ भाग न कटे।
2. पुस्तक के आकार के दो गत्ते लें।
3. पुस्तक के बायें भाग जहाँ सभी पृष्ठ जुड़े हैं लंबाई में तीन छेद सुई अथवा कील से बना लें।
4. गत्ते में भी उतनी ही समान दूरी पर तीन छेद करें।
5. पुस्तक एवं गत्ते के छेदों में से सुई की सहायता से मोटा मजबूत धागे को दो तीन बार निकालते हुए पक्का करें।
6. गत्ते के किनारों पर तिरछा मजबूत कपड़ा या कागज लगायें। वही कपड़ा या कागज लंबाई में चौड़ी पट्टी के रुप में सिलाई को ढ़कते हुए दोनों ओर सफाई से लगायें।
7. रंगीन चिकना कागज उक्त स्थान को छोड़ते हुए गत्ते पर दोनों ओर चिपकायें।
8. गत्ते के अंदर की ओर ब्राउन पेपर चिपका दें।
9. पूरी पुस्तक को उपर एक समान वजन रख कर कुछ घंटों के लिये दबायें ताकि सूखने पर जिल्द टेढ़ी न हो।

अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी सजावटी वस्तुएँ तैयार करना–

घर में काम में लेते–लेते कई वस्तुएँ खराब एवं अनुपयोगी हो जाती हैं। थोड़ी सी मेहनत और कलात्मक सोच से अनुपयोगी वस्तुएँ आकर्षक एवं उपयोगी बनाई जा सकती हैं। कुछ प्रयोग यहाँ दिये जा रहे हैं।

1. **पेन स्टैड बनाना :–** एक ही नाप के अनुपयोगी लाख अथवा काँच के कड़े एक के उपर रख कर फेविकॉल से चिपकालें। इस प्रकार एक बेलनाकार रचना बन जायेगी। एक सिरे पर मजबूत गत्ते को गोलाकार काट कर चिपका दें। ऑइल पेंट से रंग लें अथवा मोती, काँच या उपयोग की गई राखी के खिलौने फेविकॉल की सहायता से चिपकाकर आकर्षक पेन स्टैंड तैयार कर लें। इसका उपयोग फूलदान की तरह भी कर सकते है।

2. **राइटिंग पैड बनाना :–** आजकल कई दस्तावेजों की फोटो प्रति या कम्प्यूटर से टाइपिंग की जाती है जो सामान्यतया कागज के एक ही ओर होती है। इस प्रकार A-4 आकार के एक लिखे कागजों को मोड़कर चार भागों में बराबर काट लें। घर में विवाह या अन्य अवसरों पर बाये निमंत्रण कार्ड के मोटे कागज को उसी नाप का काट कर उपर नीचे लगाकर स्टेपल करें अथवा सुई ध ाागे से सिल लें। सिलाई पर आकर्षक रंगीन कागज या टेप लगा दें। आकर्षक राइटिंग पैड तैयार है। डायरी के रुप में लिखने के लिये काम में लें।

3. **आकर्षक ट्रे तैयार करना :–** अनुपयोगी क्लिप बोर्ड का क्लिप हटा दें। उस पर रंगीन चमकीला कागज या कपड़ा चिपका दें। क्लिप बोर्ड की लंबाई और चौड़ई के बराबर गोल कम वजन के डंडे या पाईप के दो–दो टुकड़े काट लें। इन टुकड़ों पर उसी रंग का कागज या कपड़ा लपेटें। साटन का रंगीन रिबन भी लपेट सकते हैं। इन सजाये हुए टुकड़ों को बोर्ड के किनारों पर चिपका दें। अधिक मजबूती के लिये क्लिप बोर्ड उल्टा कर छोटी कील भी ठोक सकते हैं।

4. **कोलाज बनाने की विधि :–**

सामग्री – गोंद, 1/4, पौधों की सूखी पत्तियाँ व छोटी टहनियाँ व कुछ रंग व पेन्सिल कलर या पेन्सिल का कचरा।

विधि :– सर्वप्रथम शीट पर पौधे की सूखी टहनियों को एक पौधे के आकार में गोंद की सहायता से लगाएँ। उसके बाद उन टहनियों के उपर गोंद की सहायता से पेन्सिल का कचरा फूल के आकार में व पत्तियों के आकार में लगाएँ और रंगों से आउट लाइन बना दें। इस प्रकार अनुपयोगी वस्तुओं से कोलाज तैयार हो जायेगा।

1. **रंगोली :–** एक विशिष्ट डिजाइन में विभिन्न रंगों का समायोजन करने को रंगोली कहते हैं।

परंपरा रंगोली सजाने के लिये चावल के पाउडर में पीला, नीला, लाल, हरा या अन्य रंग मिलाकर उपयोग करते है। आजकल गुलाल एवं रंगोली के विशिष्ट रंग लकड़ी का बुरादा (विभन्न रंगों के रंग कर) इत्यादि का उपयोग भी किया जाता है। पोस्टर कलर एवं आइल पेंट से भी रंगोली तैयार की जाती है। गुलाब, गेंदा, हजारा, गुलदाउदी एवं अन्य फूलों की पत्तियाँ, हरे रंग के लिये अशोक या अन्य पत्तों (बारीक काट कर) अथवा साबुत फूलों के संयोजन से भी रंगोली बनाई जाती है। रंगोली बनाने के लिये चॉक से फर्श पर डिजाइन बना लें। किसी एक पदार्थ का चुनाव कर रंग योजना कर डिजाइन में रंग बुरकायें ताकि रंग एक समान भर जाये और फर्श नजर न आये।

कलात्मक और सुन्दर रंगोली बनाने के लिये निम्न बातों का ध्यान रखें –

- हल्के रंगों के समीप गहरे रंगों का उपयोग करना चाहिए। दो भिन्न–भिन्न गहरे रंगों का उपयोग पास–पास नहीं करें।

- रंग योजना आकर्षक बनाने के लिये परस्पर विरोधी रंग कुछ इस प्रकार है–

लाल x हरा बैंगनी x पीला नारंगी x नीला काला x सफेद

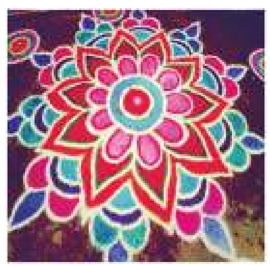
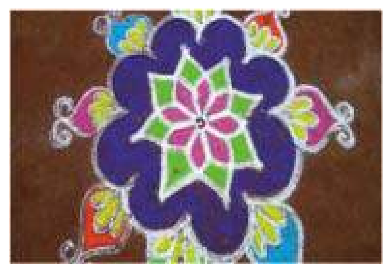

2. **मांडणा :–** मांडने की लोक कला अतिप्राचीन है। लिपे–पुते, अधसूखे आँगन पर गेरु एवं खड़िया से भाँति–भाँति के बनाये जाने वाले चित्र मांडणे कहलाते हैं। इनकी विशिष्ट डिजाइनें होती हैं। इन्हें बनाने के लिये गेरु एवं खड़ियर को पानी में भिगोया जाता है। स्थान को साफ करके गेरु से पोत लिया जाता है। सूखने पर उस स्थान पर खड़िया से आकर्षक डिजाइन बना लेते हैं।

अभ्यास प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. मांडणा बनाने के लिये उपयोग करते हैं –
(अ) फूलों की पत्तियाँ (ब) गुलाल (स) गेरू एवं खड़िया (द) ऑयल कलर
2. पुस्तकों को अधिक समय तक सुरक्षित रखने हेतु की जाने वाली क्रिया है –
(अ) पृष्ठों की सिलाई (ब) जिल्दसाजी (स) लेमिनेशन (द) पेंट

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1.प्लास्टर ऑफ पेरिस से साँचा किस प्रकार बनाया जाता है?
2.जिल्दसाजी की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।
3.रंगोली क्यों बनाते हैं?
4.माँडने बनाने में कौन–कौन सी वस्तुओं का उपयोग होता है?
5.उचित रंग के संयोजन से एक रंगोली का डिजायन तैयार कीजिए।

निबन्धात्मक प्रश्न

1. पुस्तकों पर जिल्दसाजी क्यो ंआवश्यक है? पुस्तक पर जिल्दसाजी का विस्तार से वर्णन कीजिए।
2. अनुपयोगी सामग्री से सजावट की कोई वस्तु बनाने की विधि बताइये।
3. अपनी कल्पना से एक कोलाज तैयार कीजिए।

उत्तरमाला (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

1 (स) 2 (ब)